ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

भारत मौसम विज्ञान विभाग

जे.न. कृ. वि. वि. आंचलिक कृषि अनुसन्धान

जबलपुर, मध्य प्रदेश

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 17-12-2024

जबलपुर(मध्य प्रदेश) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2024-12-17 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2024-12-18	2024-12-19	2024-12-20	2024-12-21	2024-12-22
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	25.6	26.1	26.4	26.3	26.7
न्यूनतम तापमान(से.)	6.5	7.1	7.4	7.2	8.1
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	77	80	82	79	75
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	45	47	44	46	43
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	3	5	4	3	7
पवन दिशा (डिग्री)	66	56	81	78	55
क्लाउड कवर (ओक्टा)	2	2	1	2	0

मौसम सारांश / चेतावनी:

• भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी), भोपाल से प्राप्त पूर्वानुमान के आधार पर आगामी पांच दिनों तक मौसम शुष्क रहने की और बादल रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान 25-27 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 6 -8 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। हवा की औसत गति 3-7 किमी/घंटा रहेगी

सामान्य सलाहकार:

• अगले पांच दिनों तक मौसम शुष्क रहेगा। • कीटों के लिए अरहर की लगातार निगरानी करें। • गेहूं की किस्मों की बुवाई पूरी कर लें, । • किसानों को सलाह दी जाती है कि वे समय पर बोई गई सरसों, चना और मटर की फसलों पर कीटों और बीमारियों के संक्रमण के लिए नजर रखें।अगले 5 दिनों के दौरान साफ से लेकर हल्के बादल छाए रहने और बारिश न होने की स्थिति को देखते हुए सलाह दी जाती है कि रबी फसलों की बुआई शुरू कर देनी चाहिए। बुआई के बाद मिट्टी में नमी बनाए रखने के लिए उचित ढंग से पाटा लगाना चाहिए। रेसिडुए से ढके खेतों में हैप्पी सीडर से सीधी बुआई की जा सकती है

लघु संदेश सलाहकार:

किसानों को सलाह दी जाती है कि वे समय पर बोई गई सरसों, चना और मटर की फसलों पर कीट-पतंगों और बीमारियों के प्रकोप की निगरानी रखें।गेहू की बुबाई शीघ्र ख़तम करे।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
गेहूँ	· इस समय के तापमान को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे गेहूं की बुआई जल्द से जल्द पूरी कर लें। · देर से बुआई के लिए अनुशंसित किस्में JW-4010.HI-1634, HI-1636, Lok-1, , JW-1202, CG-1029 हैं। · · मौसम की स्थिति को ध्यान में रखते हुए, किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पूर्व मे बोई गई गेहूं की फसल में शीर्ष जड़ अवस्था (बुवाई के 21 दिनों बाद) मे पर्याप्त नमी सुनिश्चित करने के बाद बची हुई नाइट्रोजन खाद की आधी मात्र टॉप ड्रेसिंग के रूप में दें । · प्रिय किसान भाई गेहूं की फसल में खरपतवार प्रबंधन के लिए बुवाई के 21 दिन पश्चात खरपतवार प्रबंधन के लिए मेट्सल्फ्यूरॉन मिथाइल 20% डब्ल्यूपी @ 1 ग्राम प्रति ऐकड का छिड़काव करें ।
चना	· चने की फसल जब 30-35 दिनों की हो जाये तब पौधों के ऊपरी शिराओं की हल्की तुड़ाई कर दे जिससे की अधिक शाखाएं निकल सकें । · चने की इल्लिओं की रोकथाम हेतु T या Y आकर की 2 से 2.5 फिट ऊंचाई की 20 से 25 खूटिया एवं फेरामोंन ट्रैप 8 ट्रैप प्रति ऐकड़ की दर से लगायें साथ ही साथ फसल की सतत निगरानी रखें प्रति मीटर क्षेत्र में यदि 2-3 इल्ली पाई जाती हैं तो ट्राईज़ोफास दवा 800.0 मिलि.प्रति हेक्टेयर की दर से छिडकाव करें । · चने की फसल में जड़ सडन रोग का प्रकोप दिखाई दे रहा है अतः किसान भाई फसल का लगातार निरिक्षण करते रहें प्रकोप पाए जाने पर रोकथाम हेतु रिडोमिल दवा 1.5 से 2.0 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर जड़ों के आसपास छिडकाव करें ।
सरसों	· अगले पांच दिनों के दौरान मौसम की स्थिति को ध्यान में रखते हुए; किसानों को सलाह दी जाती है कि जहाँ पर सरसों की फसल 30-35 दिन की हो गई है या फूल आने के पूर्व पर्याप्त नमी सुनिश्चित करने के बाद बची हुई नाइट्रोजन खाद की पूरी मात्र टॉप ड्रेसिंग के रूप में दें । · पिछले कुछ दिनों से बदल छाए रहने के कारण सरसों, मूली, एवं सेम वर्ग की फसलों में रस चूसक कीटों के प्रकोप की संभावना बन रही है अतः किसान भाइयो को सलाह दी जाती है की फसल की सतत निगरानी करते रहे तथा अधिक प्रकोप होने पर इमिडाक्लोरप्रिड 0.5 मिलि./लीटर पानी के अनुसार छिडकाव करें ।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	तापमान को देखते हुए, डेयरी किसानों को जानवरों को चरों और से ईंट या पत्थर की दीवारों से घिरे हुए छतदार पशु शेड में रखने की सलाह दी जाती है । · नए पैदा हुए बछड़े को ठंड से बचाना जरूरी है । इस हेतु पक्के फर्श को धान की पुवाल या कूड़े से आच्छादित होना चाहिए जो थर्मल मल्च प्रदान करता है । सभी दुग्ध जानवरों को रात के दौरान विशेष रूप से संरक्षित और सुरक्षित मवेशी शेड में रखा जाना चाहिए । · किसानों को डेयरी पशुओं के बछड़ों को कृमि नाशक दवा देने की सलाह दी जाती है । · पशुशाला मे पशुओ को मच्छरों एवं अन्य कीटों से बचाव के लिये कूड़ा कचरा जलाकर धुआँ करें ।